गौं- आधारीत
कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम
कृषि संदेश
अंक – 24 www.kvknarmadapuram.com मार्च– 2024

संरक्षक
श्री अनिल अग्रवाल
चैयरमेन
कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर

मार्गदर्शक
डॉ. एस.आर.के. सिंह
निदेशक (कृ.प्रौ.अनु.अ.सं)
भा.कृ.आ.प. झोन–9 जबलपुर

संपादक मण्डल
डॉ संजीव कुमार गर्ग
प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख

ब्रजेश कुमार नामदेव
वैज्ञानिक (पौध संरक्षण)

डॉ देवीदास पटेल
वैज्ञानिक (पादप प्रजनन)

लवेश कुमार चौरसिया
वैज्ञानिक (उद्यानिकी)

डॉ आकांक्षा पांडे
वैज्ञानिक (गृह विज्ञान)

राजेंद्र पटेल
वैज्ञानिक (शस्य विज्ञान)

डॉ प्रवीण सोलंकी
कार्यक्रम सहायक (मृदा विज्ञान)

पंकज शर्मा
कार्यक्रम सहायक (प्रक्षेत्र प्रबन्धक)

राहुल माझी
कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)

विकास कुमार मोहरीर
सहायक

अभय वराठे
स्टेनोग्राफर

भाऊसाहब भूस्कूटे जी के पुण्यतिथि के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

विधि प्रदर्शन के माध्यम से कृषक बंधुओ को जीवामृत, घन जीवामृत एवं कीटनाशक आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है आगे डॉ पटेल द्वारा किसानो को प्रशिक्षण के दौरान बताया गया की प्राकृतिक खेती करने से मृदा में उपस्थित लाभदायक शुक्ष्म जीवाणु की संख्या में वृद्धि होती है जो की वातावरण में उपस्थित नत्रजन क स्थिरीकरण कर फसलो को उपलब्ध कराते है और मृदा की जल धारण क्षमता को बढाते है जिससे कम पानी में भी अच्छे उत्पादन प्राप्त किया जा सके। प्राकृतिक खेती करने से मृदा, जल एवं हवा को दूषित होने से बचाया जा सकता है केंद्र के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार गर्ग से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा की वर्तमान में अत्याधिक रासयनिक खेती से हो रहे दुष्परिणाम को देखते हुए भारत सरकार के कृषि मंत्रालय ने प्राकृतिक खेती पर विशेष जोर दिया गया है इस हेतु केंद्र के वैज्ञानिक लगातार प्राकृतिक खेती पर किसानो को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे है जिसके अंतर्गत जैविक खाद (जीवामृत, घन जीवामृत) , जैविक कीटनाशी (निमास्त्र, दस पर्णी अर्क) आदि निर्माण विधि प्रायोगिक तौर पर किसानो को समझाया जा रहा है

बायो एजेंट आओ सीखे कम लागत में कीट प्रबंधन

कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर में मध्य प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत आन फार्म प्रोडक्शन आफ बायो एजेंट, बायो फर्टिलाइजर एवं ई. पी. एन. तकनीक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है जिसमे चयनित 25 किसानो को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लिए महत्वपूर्ण अवयव विभिन्न बायो एजेंट जैसे ट्राईकोग्रामा, रेडुविड बग, ग्रीन लेस विंग, ई. पी. एन., ट्राईकोडर्मा, माईकोराईजा, एजोला आदि के उत्पादन तकनीक को किसानो को व्यवहारिक व् प्रायोगिक रूप से किसानो को सिखाया जा रहा है जिससे वो स्वम इनका उत्पादन कर इनका प्रयोग अपनी फसलो पर कीट प्रबंधन के लिये कर सके

मध्य प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल द्वारा वित्त पोषित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को नामदेव द्वारा परियोजना के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिक ब्रजेश कुमार संचालित किया गया जिसमे उन्होंने किसानो को विभिन्न बायोएजेंट जैसे– ट्राईकोग्रामा, रेडुविड बग, ग्रीन लेस विंग, ई. पी. एन., ट्राईकोडर्मा, माईकोराईजा के बारे में प्रायोगिक रूप से उत्पादन करना भी सिखा रहे, इस प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में किसानों ने प्रायोगिक रूप से ट्राईको कार्ड बनाना, माइकोराईजा, ट्राईकोडर्मा का उत्पादन कम लागत मे करना सीखा जिसको आगे चलके वो स्वं इनका उत्पादन एवं प्रयोग अपने खेत अपनी फसलों पर कर सकेंगे !

3 माह में सम्पन्न हुए प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रम

क्र.	विवरण	कार्यक्रम संख्या	लाभार्थी संख्या
1	किसान/महिला प्रशिक्षण	20	362
2	व्यावसायिक प्रशिक्षण	3	35
3	प्रसार कार्यक्रम	25	3159
4	जैविक कृषि प्रशिक्षण	14	498
5	प्रक्षेत्र भ्रमण	30	334
6	ड्रोन प्रदर्शन	1	48

धराव मे प्रक्षेत्र दिवस मानया गया

संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत दलहन (अरहर) का आज ग्राम धराव मे प्रक्षेत्र दिवस मानया गया इस अवसर पर संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन दलहन के प्रभारी शस्य विज्ञान वैज्ञानिक राजेंद्र पटेल ने किसान बंधुओ को एवं कृषक महिलाओ को अरहर के खेती पर मार्गदर्शन प्रदान किया साथ ही गृह वैज्ञानिक डॉ. आकांक्षा पाण्डेय सभी को सम्बोधित करते हुए आहार एवं पोषण पर जानकारी प्रदान की।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला में सहभागिता

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय अगली पीढ़ी की कृषि – जैविक और प्राकृतिक खेती के रास्ते विस्तार रणनीतियाँ और दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय बैठक मे कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर, नर्मदापुरम का सहभागिता स्टॉल एवं जैविक कृषि आधारित पोस्टर प्रेजेंटेशन करते कृषि वैज्ञानिक साथ ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय जैविक और प्राकृतिक खेती पर चिंतन, मंथन विषय पर राष्ट्रीय बैठक मे कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर, नर्मदापुरम के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ संजीव कुमार गर्ग ने भाग लिए।

वैज्ञानिक दल द्वारा माखननगर विकासखंड की सामूहिक भ्रमण

ग्राम गूजरवाडा में प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण संपन्न साथ ही गूजरवाडा के प्रगतिशील कृषक श्री हुड्डा जी के एकीकृत प्रक्षेत्र का अवलोकन कर वैज्ञानिको द्वारा समसामयिक सलाह प्रदान की गई भ्रमण दल में केंद्र के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार गर्गउद्यानिकी वैज्ञानिक लवेश कुमार चौरसिया एवं पौध संरक्षण वैज्ञानिक ब्रजेश कुमार नामदेव शामिल रहे

केंद्र में पधारे अतिथियों ने समस्त इकाईयों का किया भ्रमण

रावतपुरा सरकार (श्री रविशंकर महाराज) एवं म. प्र. शासन के उच्च शिक्षा मंत्री मा. श्री इन्दर सिंह परमार कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर पधारे और केंद्र मे चल रहे सभी इकाइयों एवं उत्पादन इकाइयों का किये अवलोकन

ग्रामीण युवतियां को रोजगार उन्मुख खाद्य परिरक्षण सात दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर में ग्रामीण युवतियां को रोजगार उन्मुख खाद्य परिरक्षण विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 10 प्रतिभागि भाग ले रहे हैं प्रशिक्षण 13 से 19 फरवरी का आयोजन किया जा रहा है इस प्रशिक्षण में इस मौसम में बनने वाले आवले से निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पाद आलू से निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पाद दालोंसे निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पाद इस मौसम में मिलने वाली विभिन्न प्रकार केफल सब्जियां के परिरक्षण का प्रयोगगिक रूप सेप्रशिक्षण दिया जा रहा है

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. संजीव कुमार गर्ग ने युवतियों को इस प्रशिक्षण कार्य का लाभ अपने भावी जीवन में लेते हुए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने का आह्वान किया। आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा पाण्डेय ने प्रशिक्षण से लिए गए अनुभव को काम में लाने व कार्य करते समय वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. आकांक्षा पाण्डेय ।

जिला स्तरीय किसान विज्ञान मेला सम्पन्न

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन "आत्मा" योजनान्तर्गत जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का आयोजन 07 मार्च 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र गोविन्द नगर, परिसर में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक पिपरिया ठाकुरदास नागवंशी, कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना, निदेशक आईसीएआर अटारी जबल. पुर डॉ एसआरके सिंह, उप संचालक कृषि नर्मदापुरम जे आर हेडाऊ, दर्शन सिंह चौधरी, श्री अनिल अग्रवाल अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर व हजारों किसान बंधु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में किसान भाइयों एवं बहनों को संबोधित करते हुए कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना ने कहा कि जिला नर्मदापुरम के किसान भाइयों बहनों की अथक प्रयास से नर्मदापुरम जिले की कृषि शक्ति का कीर्तिमान पूरे देश में विद्यमान है उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान मेले के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में कृषकों को उन्नत और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करने में सुविधा होगी। कलेक्टर द्वारा मेले में विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया गया साथ ही मिलेट्स द्वारा निर्मित सॉफ्टी के जायके का भी आनंद उठाया।

उप संचालक कृषि नर्मदापुरम द्वारा कार्यक्रम का परिचय देते हुए बताया गया कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य जिले के सभी विकास खंड से आए हुए किसान भाइयों को कृषि की उन्नत तकनीक के संबंध में जागरूक करना है।

पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी द्वारा समस्त किसान भाइयों एवं बहनों को प्राकृतिक तथा जैविक खेती एवं कृषि की नवीन तकनीक के साथ खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।

दर्शन सिंह चौधरी द्वारा किसान भाइयों को प्रणाम करते हुए बताया गया कि हमारी खेती ही हमारी संस्कृति है मध्य प्रदेश भी प्राकृतिक खेती की दिशा में बढ़ रहा है। 19वीं सदी ब्रिटेन की थी, 20वीं सदी अमेरिका की है और आप सभी किसान भाइयों के सहयोग से 21वीं सदी भारत की रहेगी।

आत्मा योजना अंतर्गत विकासखंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण कर 35 किसानों को सम्मानित किया गया स मेला मे लगाई गई प्रदर्शनी में से सर्वोत्तम 3 एवं कुल 35 प्रदर्शनियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर से प्रशिक्षित किसानों को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सन्देश

आओ प्रकृति की ओर लौटें

रासायनिक उर्वरको व रासायनो से जमीन के अन्दर रहने वाले सूक्ष्म जीव समाप्त, कीटनाशकों से खेतों पर मंडराने वाले लाभदायक मित्र कीट समाप्त, खरपतवार नाशकों से वानस्पतिक जैवविविधता समाप्त सभी जीवों को मारकर जो अन्न पैदा किया जा रहा है, उसको खाकर मनुष्य आखिर कब तक स्वस्थ (जीवित) रहेगा ?

देर–सबेर प्रकृति की ओर लौटना ही होगा। कहीं देर न हो जाये। आओ प्राकृतिक खेती करें और अन्य को प्रेरित करें

सफलता की कहानी

क्षेत्र के किसान विदेशी फसलो का कर रहे उत्पादन

भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर के उधानिकी वैज्ञानिक लवेश कुमार चौरसिया ने नर्मदापुरम जिले में नई विदेशी फसलों जैसे ब्रोकली, शिमला मिर्च, पार्सलेए सिलेरी लाल पत्तागोभी, चाईनीज गोभी, जुकुनी को पिछले वर्ष KVK के शेडनेट में नर्सरी के साथ झटझ में लगाया था ब्रोकलीए शिमला मिर्चए स्वीट कार्न का बीज प्रक्षेत्र परीक्षण के तहत किसानों के प्र क्षेत्र पर लगवाया है

इस वर्ष स्ट्राबेरी के 400 पौधे पिपरिया विकासखंड के तरौनकला के पास सिमारा ग्राम के प्रगतिशील किसान सुखराम कुशवाहा को उनके खेत में लगाने को दिये थे उन्होंने इसे रबी मौसम में लगाया लगभग 100 पौधे खत्म होने पर वे 300 पौधों का उत्पादन सफलतापूर्वक कर रहे हैं उन्होंने ड्रिप सिंचाई मल्चिंग तथा अन्य व्यय द्व ारा 5,150 रुपये की लागत से अभी तक 22,700 रुपये की सकल आय प्राप्त की है निवल आय 17ए550 प्राप्त की है

अभी भी उनकी स्ट्राबेरी फल रही है जिससे और भी अधिक आय प्राप्त होने की संभावना है इसके अतिरिक्त बनखेडी विकासखंड के बनखेडीए बिछुआए तिंदवाडा में भी 7 किसानों के यहां स्ट्राबेरी का उत्पादन हो रहा है

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डां संजीव कुमार गर्ग ने बताया अन्य किसान भाईयों को उनके प्र क्षेत्र पर भ्रमण कर इसी तरह का नवाचार अगले रबी मौसम में करना चाहिए और इनके पौधों के लिए KVK के उधानिकी वैज्ञानिक लवेश कुमार चौरसिया से भी संपर्क कर सकते हैं

संपर्क सूत्र

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर

पलिया–पिपरिया, तह– बनखेड़ी, नर्मदापुरम (म.प्र.)

भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर